ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 17 | अंक – 65 | जनवरी–मार्च 2013

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. स्थापना दिवस समारोह
2. मेडल, शील्डस एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान
3. नए इरिसेन भवन का भव्य उद्घाटन
4. रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन
5. मुख्य इंजी. (कार्य)/मुख्य प्लानिंग एवं डिजा.इंजी.का सेमिनार
6. आईपीडब्ल्युई (आई) तकनीकी सेमिनार
7. गणतंत्र दिवस समारोह
8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 118वीं बैठक
9. रेलमंत्री राजभाषा पदक
10. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर
11. निकट भविष्य में आयोजित पाठ्यक्रम
12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी
13 सृजन

1. स्थापना दिवस समारोह

संस्थान में दिनाक 18 एवं 19 मार्च, 2013 को 55वीं स्थापना दिवस मनाया गया। 19 मार्च, 2013 को स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीय श्री कुल भूषण, सदस्य इंजीनियरिंग एवं सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड, ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उदघाटन किया। उनके साथ मंच पर श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल एवं श्री सी.पी.तायल, निदेशक इरिसेन उपस्थित थे। अन्य गणमान्य महानुभावों में श्री पी.के. सक्सेना, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मध्य रेल, श्री एम.के.गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी(नि.), मध्य. रेल, श्री विशाल अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, पुणे श्री पी.के.श्रीवास्तव, मुख्य विद्युत इंजीनियर, मध्य रेल, श्री कृष्ण कुमार, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर, मध्य रेल, श्री एम.एस.एकबोटे, रिटायर्ड एडिशनल मेंबर, सिविल इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड,

स्थापना दिवस के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड., श्री सुबोध जैन, म.प्र., म.रे. श्री सी.पी.तायल, निदे. इरिसेन एवं श्री नीलमणि, प्राध्यापक, रेलपथ

स्थापना दिवस के उद्घाटन के अवसर पर मंच पर मध्य में आसीन श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड. दाईं ओर श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक, म.रे. एवं बाईं ओर श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन

श्री जी.एन.फड़के, रिटायर्ड महाप्रबंधक निर्माण, पू.सी.रेल, श्री वाय.जी.पटवर्द्धन, रिटायर्ड चीफ इंजीनियर एवं अन्य गणमान्य सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी उपस्थित थे। समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 1986 बैच के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह, भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 2008 बैच के परिवीक्षार्थियों को मेडल, ट्रॉफी, शील्ड एवं प्रशस्ति–पत्र तथा वर्ष 2012 में सम्पन्न समेकित पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों को मेडल तथा प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए।

स्थापना दिवस के अवसर पर **सदस्य इंजीनियरिंग एवं सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड द्वारा** नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल एवं बी.पी.अवस्थी, मुख्य इंजीनियर/TMS, उत्तर रेलवे के संयुक्त प्रयास से लिखी गई पुस्तक **''ट्रैक मॉनिटरिंग''** का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि ने मार्च, 2013 की **''इरिसेन जनरल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग''** का भी विमोचन किया।

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
शरद कुमार अग्रवाल
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, पुल

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

1986 बैच के रे.इं.से.अधिकारी श्री एस.के.बंसल, वरि. प्राध्यापक प्रोजेक्ट, इरिसेन को सम्मानित करते हुए श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं सदस्य बिजली रेलवे बोर्ड

श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने 1986 बैच के भा.रे.इं.से. अधिकारियों द्वारा "कार्यसंपादन में सुधार के अनुभवों का आदान–प्रदान" विषय पर **आयोजित सेमिनार के पुस्तिका** का विमोचन किया। सेमिनार में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1986 बैच के अधिकारियों ने इंजीनियरिंग विभाग के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण तथा वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप विषय पर तकनीकी पेपर भी प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर श्री कुल भूषण, सदस्य इंजीनियरिंग एवं सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन में भारतीय रेल के समक्ष विभिन्न चुनौतियों की विस्तृत चर्चा की एवं यह विश्वास व्यक्त

श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड., श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक, म.रेल श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ट्रैक मॉनिटरिंग पुस्तिका का विमोचन करते हुए

किया कि इंजीनियरिंग विभाग इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है। आपने इरिसेन द्वारा प्रारंभ किए गए सुपरवाइजरों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे रेलवे की बुनियादी समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक, मध्य/ रेल ने इरिसेन को प्रत्येक क्षेत्र में ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निदेशक एवं संकाय सदस्यों की सराहना की। श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने सभी का स्वागत किया और सदस्य इंजीनियरिंग एवं सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड को व्यस्ततम समय में से समय निकालकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए आभार व्यक्त किया एवं महाप्रबंधक, मध्य रेल को ग्रीन बिल्डिंग निर्माण में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का संचालन श्री नीलमणि, प्राध्यापक, रेलपथ द्वारा राजभाषा में किया गया।

स्थापना दिवस के अवसर पर श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड संबोधित करते हुए

दिनांक 18 मार्च, 2013 को स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2012 के परिवीक्षार्थियों एवं सांस्कृतिक अकादमी, पुणे के

सांस्कृतिक संध्या में कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए भा.रे.इं.से. २०१२ बैच के परिवीक्षार्थीगण

कलाकारों के सौजन्य से कोरेगांव पार्क स्थित इरिसेन के नवनिर्मित ग्रीन बिल्डिंग के ऑडिटोरियम में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माननीय श्री कुल भूषण, सदस्य इंजीनियरिंग एवं सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड समारोह के मुख्य अतिथि थे। श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन एवं संस्थान के सभी संकाय के साथ अन्य गणमान्य अतिथियों ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मुख्य अतिथि ने कार्यक्रम की खूब सराहना की एवं '50,000/- के पुरस्कार की घोषणा की।

2. मेडल, शील्ड एवं ट्रॉफी द्वारा सम्मान

हर वर्ष, संस्थान के स्थापना दिवस पर, अधिकारी को प्रशिक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, ट्रॉफी तथा शील्ड प्रदान किए जाते हैं। 55वें स्थापना दिवस पर भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा बैच 2008 के उत्कृष्टता प्राप्त परिवीक्षार्थियों को मेडल, शील्ड तथा ट्रॉफी प्रदान किए गए। सम्मान की जानकारी निम्नानुसार है :–

उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक/Best Probationer Medal

यह स्वर्ण पदक रेलवे बोर्ड द्वारा स्थापित किया गया है। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में संस्थान में आयोजित पाठ्यक्रमों, फील्ड पाठ्यक्रमों, Posting परीक्षा तथा General Performance में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है।

आर.के.जैन रोलिंग शील्ड – यह शील्ड पूर्व अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, श्री आर.के.जैन, के सम्मान में स्थापित की गई है। प्रशिक्षण अवधि में संस्थान के तकनीकी पाठ्यक्रमों तथा फील्ड ट्रेनिंग में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले अधिकारी को यह शील्ड प्रदान की जाती है।

वी.के.जे. राणे रोलिंग ट्रॉफी– यह ट्रॉफी श्री वी.के.जे.राणे, पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टार इरकॉन के सम्मान में स्थापित की गई है। यह संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में Leadership, Sports, Cultural और क्रिया–कलापों में सर्वश्रेष्ठ General Performance के लिए IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान की जाती है।

श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्री राहुल जयपुरियार, स.मं.इंजी., भरतपुर, पू.म.रेल को ट्रॉफी प्रदान करते हुए

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2008 बैच के **श्री राहुल जयपुरियार,** सहायक मंडल इंजीनियर, भरतपुर, पश्चिम मध्य रेल, को उत्कृष्ट **परिवीक्षार्थी पदक, आर.के.जैन रोलिंग शील्ड एवं वी.के.जे.राणे रोलिंग ट्रॉफी** तीनों से सम्मानित किया गया।

इरकॉन स्वर्ण पदक

यह स्वर्ण पदक इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा स्थापित किया गया है। यह मेडल पूर्ण प्रशिक्षण अवधि में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2008 बैच के **श्री गुंजन श्रीवास्तव,** सहायक मंडल इंजीनियर, डोमाकल, द.म.रेल को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए **इरकॉन स्वर्ण पदक** से सम्मानित किया गया।

श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्री गुंजन श्रीवास्तव, स.मं.इंजी., डोमाकल, द.म.रेल को पदक प्रदान करते हुए

आलोक जैन, मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी

यह ट्रॉफी वर्ष 1988 परीक्षा के भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के अधिकारी स्वर्गीय श्री आलोक जैन की स्मृति में प्रदान की जाती है। श्री आलोक जैन जब ड्युटी पर थे, तो एक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। यह ट्रॉफी उनके सहपाठियों द्वारा स्थापित की गई है। यह ट्रॉफी संपूर्ण प्रशिक्षण अवधि में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले IRSE Probationery अधिकारी को प्रदान किया जाता है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2008 बैच के **श्री राजीव शर्मा,** सहायक मंडल इंजीनियर, बेलगांव दक्षिण पश्चिम रेल को **आलोक जैन मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी** से सम्मानित किया गया।

श्री कुल भूषण, सद.इंजी.एवं स.बिजली रेलवे बोर्ड. भा.रे.इं.से.(प) श्री राजीव शर्मा,, स.मं.इंजी., बेलगांव, द.प.रेल को ट्रॉफी प्रदान करते हुए

3. नए इरिसेन भवन का भव्य उद्घाटन

श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, नए ग्रीन बिल्डिंग का शिलान्यास करते हुए साथ में श्रीमती कल्पना मिश्र एवं श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक मध्य रेल

दिनांक 18 जनवरी, 2013 को कोरेगांव पार्क में नए इरिसेन भवन का उद्घाटन श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग के हाथों किया गया। उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए श्री सुबोध जैन, महाप्रबंधक मध्य रेल, श्री महेश कुमार गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण), मध्य रेल, श्री पी.के.सक्सेना, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मध्य, रेल, श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन एवं अन्य गणमान्य अतिथि अधिकारी उपस्थित थे। श्री मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग ने नए इरिसेन भवन के उद्घाटन के उपरांत लांज में बने श्री विश्वेश्वरैया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। श्री महेश कुमार गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, (निर्माण), मध्य रेल ने नए इरिसेन भवन के ऑडिटोरियम में सभी उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग का विशेष धन्यवाद किया जिनके मार्गदर्शन और सहयोग से 2004 -05 में बनी योजना को साकार रुप दिया जा सका। श्री गुप्ताने इस नवनिर्मित ग्रीन बिल्डिंग के संबंध में एक पावर प्रेजेन्टेशन भी दिया।

श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, उदघाटन समारोह पर संबोधित करते हुए

इस अवसर पर निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल ने उपस्थित महानुभावों का स्वागत करते हुए इसे एक स्मरणीय दिन बताया। आपने कहा कि भारतीय रेल पर पांच सितारों से सुसज्जित यह पहला ग्रीन बिल्डिंग है जिस पर हमें नाज होना चाहिए। आपने श्री मिश्र, सदस्य इंजी., एवं श्री जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल का विशेष आभार व्यक्त किया जिनके प्रयास से भवन के आर्टवर्क में मानों प्राण फूंक दिया गया है। आपने निर्माण दल में शामिल श्री एम.के.गुप्ता , मु.प्र.अ.(नि.), म.रे. एवं श्री पी.के.सक्सेना, प्र.मु.इंजी. मध्य रेल सहित सभी सदस्यों के अथक प्रयासों की सराहना की। महाप्रबंधक, मध्य रेल श्री सुबोध जैन ने इस अवसर पर सबका स्वागत करते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक दिन है जिस दिन हम इंजीनियरों ने इरिसेन पर पुन: अभिनव प्रयोग किया है। श्री जैन ने सभी वरिष्ठ इंजीनियरों को उनके योगदान के लिए याद करते हुए श्री मिश्र, सदस्य इंजी. की विशेष सराहना की और

इरिसेन का नवनिर्मित भवन

कहा कि आपके अथक प्रयासों से इस भवन का सपना साकार हो सका है।

श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए ग्रीन बिल्डिंग के स्वप्न. के साकार होने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और नए IRSE (P) के लिए एक अविस्मरणीय दिन बताया। रेलपथ को रेलवे की महत्वपूर्ण रचना बताते हुए आपने गैंगमैन को इसका मुख्य प्रहरी बताया और उनका विशेष ख्याल रखने को इंजीनियर की जिम्मेवारी और कर्तव्य की संज्ञा दी। अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए जुनून और प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए आपने अपनी शुभकामनाएं प्रकट की।

4. रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन

श्री सुबोध जैन, म.प्र., मध्य रेल रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान का उदघाटन करते हुए साथ में श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन एवं श्री एन.सी.शारदा, डीन, इरिसेन

दिनांक 28 जनवरी, 2013 को इरिसेन में रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन महाप्रबंधक, मध्य रेल श्री सुबोध जैन के कर कमलों द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में इरिसेन के निदेशक श्री सी.पी.तायल, संकाय अध्यक्ष श्री एन.सी.शारदा, मंडल रेल प्रबंधक, पुणे श्री विशाल अग्रवाल, संस्थान के सभी संकाय सदस्य, पुणे मंडल के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षण के लिए आए सुपरवाइजर एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित थे। श्री जैन ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों का स्वारत किया और 'रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान' के शुभारंभ पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। आपने बताया कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों में सुपरवाइजरों को अधिकतर कोड, मैनुअल इत्यादि के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाता है वहां ऐडवांस टेक्नोलॉजी की निपुणता में कमी पायी जाती है। खासकर, ट्रैक के संबंध में बदलाव पर तो बिलकुल न्याय नहीं हो पाता है। पहले फील्ड में PWI, गैंगमैन एवं कैजुअल लेबर एक साथ लाइन पर काम करते थे। गैंगमैन द्वारा उस मार्ग पर नियमित कार्य के दौरान उठी समस्याओं के बारे में PWI के माध्यम से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत किया जाता था और उसी आधार पर कमियों को दूर करने के लिए पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जाता था। ठेकेदारों द्वारा किए जा रहे कार्य ने रेलवे की Sensitivity को कम कर दिया है। कैजुअल लेबर सिस्टम समाप्त होने से गैंगमेन की बहाली में बहुत परेशानी आ रही है। ठेकेदारों द्वारा काम कराने के लिए उनके सुपरवाइजरों एवं इंजीनियरों को ट्रेनिंग देना निहायत आवश्यनक है उनके लिए प्रशिक्षण अनिवार्य हो। आपने उपस्थित सदस्यों को बताया कि ट्रैक डायग्राम एवं ठेका डाक्युमेंटेशन के संबंध में विस्तार से पढ़ाया जाए और अपने कार्य स्थल के संबंध में सुपरवाइजर प्रेजेन्टेशन के माध्यम से अपने अनुभव बांटें। इनका फीडबैक फैकल्टी एवं मैनेजमेंट के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। शुभ मुकाम की आकांक्षा के साथ आपने सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दीं।

5. आईपीडब्ल्युई (आई) तकनीकी सेमिनार

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 11 एवं 12 जनवरी, 2013 को चैन्नेई में ''इम्प्रूविंग द इनसर्विस रिलायबिलिटी ऑफ रेल एंड रेल वेल्ड'' एवं ''इवॉल्विंग इकोनॉमिकल एंड अप्रोप्रिएट डिजाइन ऑफ बेलास्ट लेस ट्रैक'' पर आयोजित आईपीडब्ल्युई (आई) सेमिनार में इरिसेन ने सक्रियता से हिस्सा लिया। तकनीकी प्रदर्शनी में संस्थान द्वारा प्रकाशित विभिन्न तकनीकी पुस्तकें, फिल्में एवं ई–लर्निंग सीडी को दिखाने के लिए इरिसेन का स्टॉल लगाया गया था। सेमिनार में इरिसेन के संकाय सदस्य, श्री प्रदीप कुमार गर्ग, व.प्राध्यापक, रेलपथ द्वारा ''रोल ऑफ वेरियस डिपार्टमेंटस टू इम्प्रूव रेल/वेल्ड रिलायबिलिटी'' श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल द्वारा ''सेलेक्शन ऑफ बेलास्टं ट्रैक फॉर इंडियन रेलवे'' श्री नीलमणि, प्राध्यापक, रेलपथ द्वारा ''इफेक्ट ऑफ व्हील डिफेक्ट्स ऑन रेल फ्रैक्चर'' पेपर भी प्रस्तुत किए गए।

6. मुख्य इंजी. (कार्य)/मुख्य प्लानिंग एवं डिजा.इंजी.का सेमिनार

इरिसेन में दिनांक 21 एवं 22 फरवरी, 2013 को मुख्य इंजीनियर (प्लानिंग) एवं मुख्य इंजीनियर (कार्य) के लिए सेमिनार आयोजित किया गया। जिसमें सभी

क्षेत्रीय रेलों से 17 अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सेमिनार का उद्घाटन श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन के स्वागत भाषण से हुआ। श्री आलोक कुमार, कार्यकारी निदेशक, सि.इंजी./सा./रेलवे बोर्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए रेल कार्यों में अपने अनुभव बताए। सेमिनार के दौरान विभिन्न प्रस्तावित कार्यसूची मदों पर विस्तार से चर्चा की गई। सेमिनार में श्री अनिल कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, RLDA द्वारा ''री-डेवलपमेंट ऑफ रेलवे स्टेशन्स'' एवं ''मल्टीफंक्शनल कॉम्प्लेक्स इन रेलवे स्टेशन्स'' विषय पर प्रस्तुतीकरण दिए गए।

7. गणतंत्र दिवस समारोह

इरिसेन में 26 जनवरी, 2013 को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। संस्थान के निदेशक श्री सी.पी.तायल ने सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया। उन्होंने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

श्री तायल ने देश की उन्नति में सहायक भारतीय रेल की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा देश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठावान और सजग रहने की सलाह दी। समारोह के अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्य उनके परिवारगण तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर निदेशक, इरिसेन श्री सी.पी.तायल ध्वज को सलामी देते हुए

8. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 118वीं बैठक

श्री सी.पी. तायल, निदेशक, इरिसेन की अध्यक्षता में दिनांक 20 फरवरी, 2013 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 118वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया कि 28 जनवरी, 2013 को संस्थान में सीनियर सबऑर्डिनेट्स के लिए 'रेलपथ प्रशिक्षण संस्थान' का शुभारंभ किया गया है। तकनीकी सामग्रियों के सर्वथा अभाव के कारण तकनीकी दस्तावेजों के हिंदी में रुपांतरण पर जोर देते हुए आपने बताया कि इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल श्री शरद कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि क्रिस की ओर से इरिसेन वेबसाइट का कार्य किया जा रहा है और वर्तमान आवश्यकताओं के साथ उसमें तकनीकी तब्दीलियां गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार की जा रही है। बैठक में राजभाषा प्रगति से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

9. रेलमंत्री राजभाषा पदक

भारत सरकार की राजभाषा नीति के अनुसार हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रेल मंत्रालय द्वारा विभिन्न पुरस्कार योजनाएं लागू हैं। इन्हीं योजनाओं में से वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के अधिकारियों को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ाने में उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय योगदान देने के लिए '**रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक**' से सम्मानित करने का प्रावधान है।

संस्थान के श्री मनोज अरोरा,वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ-1 को अपने कार्यक्षेत्र में हिंदी के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने में उत्कृष्टता को देखते हुए रेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011 के लिए रेलमंत्री राजभाषा रजत पदक से सम्मानित किया जा रहा है। श्री अरोरा को यह सम्मान 26 मार्च, 2013 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड श्री विनय मित्तल के कर कमलों द्वारा दिया जाएगा। संस्थान की ओर से श्री अरोरा को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

10. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर

इरिसेन छात्रावास में दिनांक 06 मार्च, 2013 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इरिसेन के संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन के.ई.एम. अस्पताल पुणे के तत्वावधान में किया गया था। रक्तदान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता पैदा करना होता है।

11. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	13703	आईआरएसएसई के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	15/04/13	19/04/13
2	13102	समूह **ख** अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम	29/04/13	11/07/13
3	13003	आईआरएसई 2010 परीक्षा बैच,तैनाती परीक्षा	29/04/13	03/05/13
4	13705	आईआरएसईई के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	13/05/12	17/05/13
5	13004	आईआरएसई 2010 परीक्षा बैच तैनाती परीक्षा	27/05/12	31/05/13
6	13707	आईआरएसएमई के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम	03/06/13	07/06/13

12. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 12104

प्रथम

श्री कोंडा श्रीनिवास,
प्राचार्य/ZTC, सिंकदराबाद

द्वितीय

श्री धमेन्द्र किशोर भारद्वाज,
AXEN/TMC, इलहाबाद, उ.म.रे.

13. सृजन

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला :

निराला जी की वह तोड़ती पत्थर इतनी चिर समसामायिक कविता है जो विकास के दोनों पहलुओं का मानो आईना दिखाती है। एक तरफ तो विकास का प्रतीक अट्टालिकाएं दूसरी तरफ विकास में अपना खून पसीना एक करने वाले जनसामान्य, जो निर्विकार भाव से असंबंधित सा जीवन जीते रहते हैं। कुल मिलाकर यह कविता उन मजदूरों की कहानी है जो देश के समग्र विकास में गीता के कर्म के सिद्धांत को साकर करते हुए मानो पत्थर ताड़ते तोड़ते स्वयं गिट्टियों में बदलकर इमारत में लीन हो जाते हैं। कविता की कुछ पक्तियां बहुत ही सारगर्भित है।

न कोई छायादार पेड़ एवं सामने तरुमालिका अट्टालिका प्रकार ये समाज के विकास की असामान्य ता को प्रखरता से प्रकट करती है। उस भवन की ओर देखा छिन्न तार - लीन होते कर्म में फिर ज्यों कहा, मैं तोड़ती पत्थर इन पक्तियों में गीता के कर्मयोग के सिद्धांत की सी सारगर्भिता है। यहां निराला जी ने यह स्पष्टकर दिया है कि पत्थर तोड़ने के कर्म के प्रतिफल में अट्टालिका के प्रति कोई अधिकार भाव नहीं है। अपने विचारों में भी जातक निर्लिप्त एवं पूर्णत: कर्मप्रधान है जैसे कि सभी कुछ 'शरीर-आत्मा' कर्म हो गई हो।

यूं तो यह कविता, पत्थर तोड़ने और उसका प्रयोग अट्टालिका के निर्माण से बंधा हुआ है। परंतु, किसी भी रेलवे कर्मचारी खासतौर से सिवल इंजीनियरों को यह तुरंत आकर्षित कर लेती है क्योंकि उनके लिए रेलवे ट्रैक पर पड़ी गिट्टी ट्रैक की आत्मा की तरह होती है। जिसका कार्य ट्रैक में डल जाने के बाद उसको आधार प्रदान करना है। यह कविता समाज की विषमता और समाज के आधारभूत तबके का समाज के विकास में योगदान की याद दिलाती है।

मुख्य संपादक

युद्ध में जाकर लड़ना कोई बहुत बड़ा पाप नहीं है। वास्तव में पाप है हमारे समाज की वे बातें, जिनके कारण युद्ध होता है।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

शरद कुमार अग्रवाल, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, पुल, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित